



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 409]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 2, 1986/साद्र 11, 1908

No. 409]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 2, 1986/BHADRA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

परिवहन मंत्रालय

(जन भूतल परिवहन विभाग)

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1986

अधिसूचना

सा.का.नि. 1056 (अ).—चूंकि पर्यटक वाहन (परमिट की अनिवार्य शर्तों) नियम, 1985 को पुनः संशोधित करने के लिए मोटरवाहन अधिनियम, 1939 की धारा 133 की उपधारा (1) द्वारा यथा अर्पित मसौदा नियमों का प्रकाशन भारत सरकार, परिवहन मंत्रालय, जन भूतल परिवहन विभाग की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 849 (अ) दिनांक 15-11-1985 को भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (1) में हुआ था जिसमें उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की अवधि समाप्त होने तक उससे प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों में आपत्तियाँ और सुझाव आमंत्रित किए गए थे।

और चूंकि इस मामले में प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार किया जा चुका है।

इसलिए अब केन्द्रीय सरकार मोटरवाहन अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 63, उप धारा (10) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की धारा 63, उपधारा (7) के तहत पर्यटक वाहनों को जारी किए गए परमिटों की शर्तों को निम्नलिखित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संश्लिष्ट नाम :— इस नियमों का नाम पर्यटक वाहन (परमिट की अनिवार्य शर्तों) नियम, 1986 है।

2. परमिट की अतिरिक्त शर्तें :—अधिनियम की धारा 63, उपधारा (7) के अधीन निम्नलिखित शर्तें पर्यटक वाहन को दिए गए प्रत्येक परमिट के साथ जोड़ी जाएंगी।

(i) परमिट भाग अपने मांगता प्राप्त एजेंट अथवा पर्यटक वाहन के प्रबालक को पर्यटक-यात्रियों की एक सूची तैयार कराए जिसमें उन पर्यटक यात्रियों का पूरा नाम व पता होगा जो पर्यटक-वाहन को संयुक्त रूप से उद्देश्य से प्रयोग करेंगे यथा :—तीर्थ यात्रा, भ्रमण, पर्यटन महत्त्व के स्थानों अथवा सामाजिक धार्मिक, वैश्विक, सांस्कृतिक तथा खेल संबंधी समूहों में शामिल होने के लिए।

(ii) जिलाधीश अथवा उस क्षेत्र के पुलिस स्टेशन अधिकारी द्वारा जहाँ से यात्रा आरम्भ की गई है, अथवा सम्बद्ध क्षेत्र के राज्य परिवहन प्राधिकरण/क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के किसी भी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित पर्यटक यात्रियों की सूची की एक प्रतिलिपि परमिट जारी करने वाले अधिकरण को रिकार्ड हेतु रजिस्टर्ड ए. डी. डाक द्वारा भेजी जाए। ट्रिस्ट यात्रियों की सूची की वो अनुप्रमाणित प्रतिलिपियाँ भी पर्यटक वाहन में ले जाई जाएँ और किसी भी राज्य यात्रा के दौरान परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों के मांगने पर निरीक्षण हेतु दिखाई जाएँ।

(iii) पर्यटक वाहन अपने राज्य में सरकुलर या किसी भी प्रकार से अपनी यात्रा आरम्भ कर सकता है अथवा समाप्त कर सकता है इसकी शर्तें यह है कि वाहन दो सप्ताह की अवधि से अधिक अपने राज्य में बाहर नहीं रहता चाहिए। परमिट धारक यह ध्यान रखे कि पर्यटक

वाहन की अपने राज्य में प्रत्येक बापसी की सूचना परमिट जारी करने वाले प्राधिकरण को दी जाए।

बशर्ते कि जहां अनुबंधित यात्रा अपने राज्य के बाहर समाप्त हो वहां से वाहन अपने राज्य के किसी बिन्दु पर बापसी यात्रा किए बिना उस राज्य को अथवा उस राज्य से किसी दूसरे राज्य को किराए पर न सौंपा जाए।

(iv) परमिट की आरंभिक मंजूरी के समय पर्यटक वाहन 2 वर्ष से अधिक पुराना नहीं हो तथा किसी भी समय वह 5 वर्ष से पुराना नहीं हो।

(v) परमिट धारक अपने राज्य के भीतर वो दृष्टया वो से अधिक बिन्दुओं के बीच नियमित आधार पर वाहन पर प्रचालन करने का हकदार नहीं होगा।

बशर्ते कि पर्यटक वाहन पूर्णतः अपने राज्य में पड़ने वाले सरकुलर बौरों के उद्देश्य से इस शर्त पर प्रयुक्त किया जा सकता है कि वाहन का प्रचालन अपने राज्य के पर्यटक विभाग द्वारा अनुमोदित चाटैज टूर के अधीन पर्यटक/ऐतिहासिक/धार्मिक महत्व के कम से कम पांच स्थानों पर जाने के लिए हो तथा चाटैज टूर समय से पूर्व समुचित रूप से विज्ञापित किया जाए।

(vi) परमिट-धारक अथवा उसके मान्यता प्राप्त एजेंट उन्हें अथवा की गई राशि की एक रसीद किराए पर लेने वाले व्यक्ति को जारी करें और उसका काउंटर-क्वाएल पर्यटक वाहन में रखें जिसे सम्बद्ध राज्यों और संवर्धित क्षेत्रों के परिवहन विभागों के प्रबन्धन-अधिकारियों तथा पुलिस द्वारा मंगे जाने पर जांच हेतु प्रस्तुत किया जाए।

(vii) पर्यटक वाहन स्टैज कैरिजों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले बस स्टैंड पर खड़ा नहीं किया जाना चाहिए और ऐसे बस स्टैंड से प्रचालित भी नहीं किया जाए।

(viii) परमिट-धारक पर्यटक वाहन पर एक पीले रंग का बोर्ड प्रदर्शित करे जिस पर काले अक्षरों में "टूरिस्ट व्हीकल" अंग्रेजी में और हिन्दी तथा अपने राज्य की क्षेत्रीय भाषा में भी लिखा हो।

(ix) परमिट धारक पर्यटक वाहन को स्टैज कैरिज के रूप में परिचालित न करे।

(x) परमिट धारक यह देखे कि वाहन का प्रचालक एक वैधिकांगी लोग बुक रखे जिसमें की गई यात्रा, आरंभिक एवं समाप्ति बिन्दु, किराए पर लेने वाले का नाम और पता इत्यादि का उल्लेख हो। परमिट धारक को प्रति तीन माह में परमिट जारी करने वाले प्राधिकरण को यह सूचना प्रस्तुत करनी चाहिए। लोग बुक तथा अन्य रिकार्ड तीन वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षित रखे जाने चाहिए तथा प्राधिकरण द्वारा मंगे जाने पर वे उन्हें उपलब्ध कराया जाए।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों में "होम स्टेट" से तात्पर्य है वह राज्य जिसने मोटरवाहन अधिनियम, 1939 (1939 का 4) की धारा 63, उपधारा (7) के तहत परमिट प्रदान किए हैं।

[टी डब्ल्यू/टी जी एम (53)/85]

बी.आर. चव्हाण, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Surface Transport)

New Delhi, the 2nd September, 1986

NOTIFICATION

G.S.R. 1056(E).—Whereas the draft rules further to amend the Tourist Vehicles (Additional Conditions of Permit) Rules, 1985 were published as required by sub-section (1) of Section 133 of the Motor Vehicles Act, 1939 in the Gazette of India Part II, Section 3, sub-section (i) under notification of the Government of India in the Ministry of Transport (Department of Surface Transport) No. G.S.R. 849(E) dated 15-11-85

inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette.

And whereas objections or suggestions received in the matter have been considered.

Now in exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (10) of section 63 of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939), the Central Government hereby makes the following rules to prescribe the additional conditions of permit issued to tourist vehicles under sub-section (7) of section 63 of the said Act, namely :—

1. Short title : These rules may be called the Tourist Vehicles (Additional Conditions of Permit) Rules, 1986.

2. Additional Conditions of Permit : The following shall be additional conditions of every permit granted to a tourist vehicle under sub-section (7) of section 63 of the Act, namely :—

(I) The permit holder shall cause his authorised agent or operator of the tourist vehicle to prepare a list of tourist passengers giving full names and addresses of the tourists passengers who intend to use the tourist vehicle jointly for tourist purposes such as going on pilgrimage, excursion tours, or to visit places of tourist importance, or attending gatherings of social, religious, educational, cultural nature and sports meets.

(II) A copy of the list of tourist passengers, duly attested by the Executive Magistrate, or by an officer of Police Station of the area from which the tour is to emanate, or any Gazetted Officer of the State Transport Authority/Regional Transport Authority of the concerned area, shall be sent by Registered AD Post to the Authority which issued the permit for record. Two attested copies of the list of tourist passengers shall also be carried in the tourist vehicle and produced for inspection whenever required by the enforcement officials of the Transport Departments during the journey in any State.

(III) The tourist vehicle shall either commence its journey, or end its journey, circular or otherwise, in the Home State, subject to the condition that the vehicle shall not remain outside the Home State for a period of more than two months. The permit holder shall see that the every return of the tourist vehicle to the Home State is reported to the Authority issuing the permit.

Provided that where the contracted journey ends outside the Home State, the vehicle shall not be offered for hire within that state or from that State to any other State except the return journey to any point in the Home State.

(IV) The tourist vehicle shall not be older than two years at the time of initial grant of permit and shall not be older than five years at any given point of time.

(V) The permit holder shall not be entitled to operate between two or more than two points within the Home State on a regular basis :

Provided that the tourist vehicle can be used for the purpose of circular tours lying exclusively in the Home State on the condition that the vehicle operates under a chartered tour approved by the Tourist Department of Home State to visit a minimum of five places of tourist/historical/religious importance and the chartered tour is duly advertised before hand.

(VI) The permit holder or his authorised agent shall issue a receipt to the hirer of the amount paid to him and the counter-foil of the same shall be kept available in the tourist vehicle and presented for inspection, on demand by the Police and the enforcement officials of the Transport Departments of the respective States and Union Territories.

- (VII) The tourist vehicle shall not be parked on any bus stand used by stage carriages and shall not operate from such bus stand.
- (VIII) The permit holder shall display on the tourist vehicle a board in yellow with letters in black displaying the words "Tourist Vehicle" in English and Hindi and also, if he so prefers, in regional language of the Home State.
- (IX) The permit holder shall not run the tourist vehicle as a stage carriage.
- (X) The permit holder shall see that the operator of the vehicle maintains a day to day log book indicating

the journey performed, the starting and finishing points, name and address of the hirer, etc. The permit holder shall furnish this information to the Authority which has granted the permit every three months. The log book and the other records shall be preserved for a period of three years and shall be made available to the Authority on demand.

EXPLANATION : In these rules "Home State" means the State which has granted the permit under sub-section (7) of section 63 of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).

[No. TW/TGM(53)|85]
B. R. CHAVAN, Jt. Secy.

